सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 148 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 3 जुलाई, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जीवन में ऐसे लक्ष्य बनायें कि आप उसे प्राप्त ना भी कर पाएं तो भी ये मानवीय क्षमता की विजय हो।

-महात्रिया रा

कोर्ट में वादियों का ध्यान और उनके... 7 | संसद में राहुल के बयान पर मचा... 3 | अयोध्या में सड़कें टूटीं, गंदगी का... 2

हाथरस में सवा सौ से ज्यादा मौतों का जिम्मेदार कौन!

- **जानलेवा सत्संग:** भगदड़ में 125 से ज्यादा की मौत
- संसद से सड़क तक दोषियों को सजा देने की मांग
- विपक्ष के निशाने पर योगी सरकार
- राज्य सरकार ने दिए जांच के आदेश
- गहन जांच रोक सकती है घटना की पुनरावृत्ति : सपा प्रमुख
- सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त जजों की निगरानी में जांच की मांग
- राज्यसभा में हादसे के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी के हाथरस में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां फुलराई गांव में साकार हरि बाबा का सत्संग चल रहा था।। सत्संग समाप्त होने के बाद यहां से जैसे भी भीड़ निकलना शुरू हुई तो भगदड़ मच गई। कार्यक्रम में शामिल होने आए 124 से अधिक लोगों की इस हादसे में मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद संसद, कोर्ट से लेकर सड़क तक दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। उधर इस घटना को लेकर विपक्ष के निशाने पर योगी सरकार भी आ गई है।

विपक्ष का कहना है सरकारी लापरवाही की वजह से यह घटना घटी। वहीं राज्य के सीएम योगी आदित्य नाथ ने जांच के आदेश दे दिये हैं। उन्होंने कहा है कि दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा। हालांकि इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सत्संग का आयोजक बाबा साकाल हरि उर्फ भोले अभी पकड़ में नही आया है पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उधर राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हो गई है। सभापति जगदीप धनखड़ ने हाथरस हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। पूरे सदन ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। धनखड़ ने कहा- ऐसे आयोजनों के लिए नियमावली बननी चाहिए। सांसदों से उन्होंने अपनी राय देने के लिए कहा। वहीं नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- कई बाबा जेल में है। ऐसा कानून बनना चाहिए। जो नकली लोग हैं, वे आश्रम बनाकर लोगों को लूट रहे हैं। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्टपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में 2 घंटे15 मिनट की स्पीच दी थी।

यह सरकार की लापरवाही है :अखिलेश

हाथरस हादसे पर समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा, यह बहुत दर्दनाक है। जिन परिवारों के सदस्यों की जान गई है उन्हें दुख सहने की शक्ति मिले। जो हादसा हुआ है यह सरकार की लापरवाही है। ऐसा नहीं है कि सरकार को इस कार्यक्रम की जानकारी न हो। जब कभी भी इस प्रकार के कार्यक्रम होते है तो बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होते हैं। इस लापरवाही से जो जानें गईं है उसकी जिम्मेदार सरकार है। कोई अगर अस्पताल पहुंच भी गया तो उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल पाया। ना ऑक्सीजन, ना दवाई, ना इलाज मिल पाया। इसकी जिम्मेदार भाजपा है जो बड़े-बड़े दावे करती है कि हम विश्वगुरु बन गए है। क्या अर्थव्यवस्था का मतलब यह है कि किसी आपातकाल स्थिति में आप लोगों का इलाज न कर पाएं? सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस तरह के आयोजन में हुई मानवीय भूलों का आकलन करने की आवश्यकता है और भविष्य के लिए सबक लेने की भी। एक गहन जांच और उसके आधार पर की गई कार्रवाई भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोक सकती है। अखिलेश ने घायलों को तत्काल अच्छी से अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी सरकार से की। उन्होंने बाबा के साथ बीजेपी द्वारा अपनी फोटो दिखाने पर कहा भाजपा इसी तरह की घटिया काम करती है।

सीएम योगी घटना स्थल पर पहुंचे

हाथरस के सिकंदराराऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना स्थल पर पहुंचे हैं। वहां से अलीगढ़ आकर सीएम अफसरों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री ने हाथरस के सरकारी अस्पताल में भगदड़ की घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

आयोजकों के साथ ही सत्संग करने वाले बाबा पर हो कार्रवाई : प्रियंका चतुर्वेदी

हाथरस की घटना पर शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, यह दुखद है जिस तरीके से यह घटना घटी है। मैं उम्मीद करती हूं कि राज्य सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आयोजकों के साथ ही जो सत्संग करने वाले बाबा हैं उनपर भी कार्रवाई होनी चाहिए। आज कल हम देख रहे हैं कि लोगों की जान का कोई मोल नहीं है।

नकली बाबा आश्रम बनाकर लोगों को लूट रहे, कानून बने : खरगे

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा- हाथरस जैसा हादसा दुखद है। ऐसे आयोजनों को कराने के लिए कानून बनाना चाहिए। किस तरह से आयोजन हो, वहां क्या-क्या व्यवस्था हो, जिससे आयोजन हो सके। कई बाबा जेल में है। ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे अंध श्रद्धा पर रोक लगे। जो असली लोग है, उन्हें आने दो। जो नकली लोग हैं, वे आश्रम बनाकर लोगों को लूट रहे हैं।

सांसद जयंत चौधरी ने जताया दुख

केंद्रीय राज्य मंत्री और रालोद सांसद जयंत चौधरी ने कहा, यह दुखद घटना है। एक बड़ा आयोजन हुआ और बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री से बात हुई है, प्रशासन लगातार मॉनिटर कर रहे हैं। मैं सभी से सहयोग की अपील करता हूं। सभी परिवारों के साथ हमारी संवेदना है और हम उनके साथ हैं। हाथरस घटना पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, घटना दु:खद है।

लखनऊ में सरेराह छात्रा पर एसिड फेंका

- बचाने में भाई भी आया चपेट में, दोनों झुलसे ट्रामा में भर्ती
- काली टीशर्ट पहने था एसिड फेंकने वाला आरोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के चौक इलाके में बुधवार सुबह एक छात्रा पर एक युवक ने एसिड फेंक दिया। उसको बचाने के फेर में उसका मौसेरा भाई भी चपेट में आ गया। दोनों झुलस गए। दोनों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। व्यापार मंडल के एक पदाधिकारी की 22 वर्षीय बेटी बुधवार सुबह आठ बजे लोहिया पार्क के पास मौसेरे भाई के साथ खड़ी थी। इसी बीच एक युवक उसके पास पहुंचा और कुछ बातचीत की।

युवक वहां से चला गया और चंद मिनटों बाद वापस लौटकर उस पर एसिड फेंक दिया। जैसे ही एसिड फेंका उसका भाई आगे आ गया जिससे उस पर भी एसिड पड़ गया। हमलावर युवक काली टीशर्ट पहने हुए था। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक जब छात्रा के पास पहुंचा और बातचीत करने का प्रयास किया तो उसने उसे भगा दिया। इसके बाद आरोपी ने छात्रा पर एसिड फेंक दिया।

पुलिस जांच में जुटी

डीसीपी पश्चिम दुर्गेश कुमार ने बताया कि दोनों काफी दहशत में हैं। इलाज जारी है। स्थिति सामान्य होने पर उनसे बातचीत कर जानकारी ली जाएगी। दूसरी तरफ सीसीटीवी फुटेज की मदद से तफ्तीश शुरू की है। जल्द हमलावर पकड़े जाएंगे।

अयोध्या में सड़कें टूटीं, गंदगी का लगा अंबार : अवधेश प्रसाद

» फैजाबाद सांसद ने विकास के दावों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के भाषण के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में विकास के दावों पर सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में दुनिया भर से लोग आ रहे हैं। वहां सड़कें टूटी हुई हैं। गंदगी फैली हुई है और दलितों-गरीबों की बस्तियों में पानी भरा हुआ है। इन जगहों पर जल निकासी के लिए 35 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे वो कहां गए किसी को पता नहीं।

फैजाबाद सांसद ने कहा कि अयोध्या में जिस रेलवे स्टेशन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करके आए थे। कुछ दिनों बाद ही उसकी बाउंड्रीवाल गिर गई। अयोध्या में एयरपोर्ट बना लेकिन जिन किसानों की जमीन ली गई है। उन्हें अब तक मुआवजा नहीं दिया गया है।

राहुल गांधी ने हिंदू समाज के खिलाफ कुछ नहीं कहा

अवधेश प्रसाद ने राहुल गांधी द्वारा हिंदू समाज को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि हिंदुओं का इतिहास गौरवशाली है। जितना मैंने सुना नेता विपक्ष राहुल गांधी ने हिंदू समाज के लिए कुछ भी आपत्तिजनक नहीं कहा। हो सकता है कि उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाया हो जो कि खुद को सभी हिंदू समाज का ठेकेदार कहती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की हिंदू समाज के लिए कोई गलत भावना नहीं है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि मैं खुद भी एक हिंदू हूं। वहीं, राहुल गांधी के भाषण के हिस्से सदन की कार्यवाही से हटाने पर उन्होंने कहा कि हो सकता है कि कुछ बातें संविधान और परंपरा के मुताबिक न रही हों इसलिए लोकसभा अध्यक्ष ने उसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया। ये उनका विशेषाधिकार है।

जिले का सर्किल रेट तय नहीं, अब तक मुआवजा भी नहीं मिला

सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश के हर जिले का सर्किल रेट तय होता है पर अयोध्या का अब तक तय नहीं किया गया है। किसानों से उनकी जमीन कौड़ियों के भाव ले ली गई है और बाहरी लोगों को बसा दिया गया है।अवधेश प्रसाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में बोल रहे थे। उन्होंने अभिभाषण की पुस्तिका दिखाते हुए कहा कि 29 पन्ने की पुस्तिका में ऊपर राष्ट्रपति का नाम तक नहीं लिखा हुआ है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

एक बार फिर अनुप्रिया पटेल ने सरकार पर उठाए सवाल

» बोलीं-पीएम ने सभी मुद्दे सुलझाए पर 69000 शिक्षक भर्ती का हल नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (एस) की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने 69 हजार शिक्षकों की भर्ती का मुद्दा न सुलझने के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के सामने हमने पिछड़ों-दलितों से जुड़े जो भी मुद्दे उठाए उनमें सभी के समाधान हो गए, लेकिन शिक्षक भर्ती का समाधान नहीं हुआ है। कहा, पिछड़ों-दलितों के मुद्दों को लेकर चुप नहीं बैठूंगी। सड़क से संसद तक यह मुद्दा उठाती रहूंगी।

वे मंगलवार को पार्टी संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जयंती पर इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में हुए कार्यक्रम में बोल रही थीं। जन स्वाभिमान दिवस के तौर पर हुए जयंती समारोह में उन्होंने कहा कि हमारे अनुरोध पर ही पीएम ने पिछड़ा वर्ग आयोग को सांविधानिक दर्जा दिया और विश्वविद्यालयों में 200 पॉइंट रोस्टर को बहाल किया। सैनिक, नवोदय और केंद्रीय विद्यालयों में पिछड़ों के बच्चों के लिए आरक्षण लागू किया। अब सिर्फ शिक्षक भर्ती का ही मुद्दा रह गया जिसका समाधान नहीं करा पाई हूं।

संविधान और आरक्षण में बदलाव को लेकर भ्रम फैलाया गया

सपा का नाम लिए बगैर कहा कि लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण में बदलाव को लेकर भ्रम फैलाने वाले जब सत्ता में होते हैं तो इनको पीडीए की याद नहीं आती है। प्रदेश की सत्ता में चार बार रहने वालों को तब सामाजिक न्याय की बात याद नहीं आई। प्रमोशन में आरक्षण भी पीडीए हितैषी होने का दावा करने वालों ने ही किया था। इनके लिए पीडीए का नारा सिर्फ सत्ता पाने का हथियार है। ये लोग रंग बदलने में गिरगिट से भी तेज हैं।

सरकार में रहें या न रहें, वंचितों की आवाज उठाते रहेंगे : आशीष

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि जुलाई में छुट्टी मनाइए। इसके बाद अगस्त से फिर से फील्ड में उतरकर काम करना है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए नई कार्यकारिणी के गठन का भी एलान किया। कहा, जुलाई में नई कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। सरकार में रहें या न रहें, लेकिन अपना दल हमेशा वंचितों के हक के लिए आवाज उठाता रहेगा।

भाजपा के बहोरन लाल का निर्विरोध चुना जाना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सीएम योगी की मौजूदगी में दाखिल किया नामांकन

लखनऊ। विधान परिषद की रिक्त एक सीट पर हो रहे उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल मौर्य का निर्विरोध चुना जाना तय है। उन्होंने मंगलवार को नामांकन के आखिरी दिन विधानभवन में सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में पर्चा भरा। भाजपा के संख्याबल को देखते हुए सपा समेत किसी अन्य विपक्षी दल ने प्रत्याशी नहीं उतारा है।

यह उपचुनाव सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर हो रहा है। नाम वापसी की तिथि 5 जुलाई है। उसके बाद बहोरन लाल को विजयी घोषित किए जाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। उनका कार्यकाल जुलाई 2028 तक रहेगा। सीएम ने कहा कि बहोरन लाल चुनाव जीतकर विधान परिषद में पहुंचेंगे और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से रखेंगे। उनके नामांकन के समय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, कपिल देव अग्रवाल व बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

भाजपा ही पिछड़ों की हितैषी : बहोरन

बहोरन लाल मौर्य ने कहा कि भाजपा ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की सच्ची हितैषी है। वे योगी और मोदी सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएंगे। विपक्षी दलों ने चुनाव के दौरान जो गलत प्रचार किया उसका भी पर्दाफाश करेंगे।

एक बार फिर झारखंड का सीएम बनेंगे हेमंत सोरेन : सत्यानंद भोक्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चतरा। सत्तारूढ़ विधायकों की बुधवार को रांची में होने वाली बैठक में हेमंत सोरेन को एक बार फिर से नेता चुना जाना तय है। हेमंत सोरेन एक बार फिर मुख्यमंत्री पद का शपथ लेंगे। इसका खुलासा चतरा के राजद विधायक और कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने किया है। उन्होंने कहा कि विधायक दल की बैठक में हेमंत सोरेन को नेता चुना जाएगा।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद चम्पाई सोरेन पद से त्यागपत्र देंगे और उसके बाद नए मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन शपथ लेंगे। उनके साथ मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य भी शपथ लेंगे। कहा कि मंत्रियों की सूची में उनका भी नाम है। यदि ऐसा होता है, तो सत्यानंद भोगता के नाम एक नया कृतिमान स्थापित होगा? चतरा के वे पहले विधायक होंगे, जो मंत्री के रूप में पांचवीं बार शपथ लेंगे।

कैबिनेट मंत्री ने किया खुलासा

फोटो :4 पीएम

बारिश यूपी में मानसून की दस्तक के बाद से ही लगातार बारिश जारी है। बुधवार को भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बारिश होती रही। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अभी बारिश का दौर जारी रहेगा। लगातार बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है।

बीजेपी ने जनता पर थोपा उपचुनाव : सीएम सुक्खू

» पूर्व विधायकों के साथ नहीं पार्टी के कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हमीरपुर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी डॉ. पुष्पिंदर वर्मा के लिए चुनावी प्रचार किया और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। सुक्खू ने विधानसभा क्षेत्र के पाड़वी, ताल, पट्टा, काले अंब में नुक्कड़ सभाओं में जनता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी पर पर निशाना साधते हुए जनता को धोखा देने के आरोप लगाए।

उन्होंने जनता से धनबल के सहारे चुनाव लड़ने वालों के खिलाफ जनमत देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश में पहला मामला है, जब किसी निर्दलीय ने विधायक पद से इस्तीफा देकर फिर से चुनाव लड़ने का फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता को धोखा देकर भाजपा प्रत्याशी ने केवल अपने नाम पर 135 करोड़ के टेंडर लेकर खुद की आर्थिकी को बढ़ावा देने का काम किया और जनता के कार्यों को लेकर कभी भी उनसे मुलाकात नहीं की । मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी ने सरकार को अस्थिर करने का काम किया है, जिसके खिलाफ मामला भी दर्ज हुआ है । उन्होंने कहा कि जनता को उनसे पूछना चाहिए कि क्यों उन्होंने इस कदम को उठाया ।

संसद में राहुल के बयान पर मचा कोहराम

हिंदु पर टिप्पणी से बीजेपी के निशाने पर आए नेता प्रतिपक्ष

» भाजपा व सहयोगियों ने राहुल को बताया अपरिपक्व नेता

» इंडिया गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस सांसद के पक्ष में उतरे

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव खत्म हुए लगभग एक महीने होने को हैं। नई सरकार व नये विपक्ष ने काम करना शुरू कर दिया है। संसद का सत्र भी प्रारंभ हो गया। नीट व अन्य मुद्दों को लेकर एनडीए सरकार व इंडिया गठबंधन के बीच तीखी तकरार चल रही है। आज कल राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद पर चर्चा चल रही है। पर चर्चा के दौरान नेताओं द्वारा जिस तरह की भाषा भाषणों में प्रयोग लाई जा रही उससे तो ऐसा लगता है की सियासत अभी भी चुनावी मोड में ही है।

क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष सब जनता के मुद्दों पर कम एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा लगा रहे हैं। हालांकि यहां पर सत्ता पक्ष को भी जिम्मेदारी से सोचना चाहिए कि विपक्ष को मिलाकर ही आमजन के मुद्दों को सुलझाया जा सकता है। फिलहाल संसद में राहुल के हिंदु हिंसक के बयान पर रार मची हुई है। बीजेपी व उसके सहयोगी इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी को घेर रहे हैं वहीं इंडिया गठबंधन के सहयोगी उनके बयान को सही ठहरा रहे हैं।

विपक्ष नेता असत्यापित दावे नहीं कर सकते : रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और सुधांशु त्रिवेदी के साथ धन्यवाद प्रस्ताव पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नेताओं के राहुल गांधी पर निराधार दावे करने और झूठ फैलाने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते वह अप्रमाणित दावे नहीं कर सकते। अगर उन्होंने

ऐसा किया होता तो उन्हें माफी मांगनी पड़ती। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा किए गए सभी असत्यापित दावों पर उन्होंने तुरंत सदन में आपत्ति जताई और अध्यक्ष से यह निर्देश पारित करने का अनुरोध किया कि यदि राहुल गांधी ने झूठ बोला है, तो उन्हें सदन के नियमों और विनियमों का सामना करना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि हमने अध्यक्ष से यह निर्देश पारित करने का अनुरोध किया है कि अगर हमने कोई असत्यापित बयान दिया है तो हम सुधारात्मक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। लेकिन अगर विपक्ष के नेता ने सदन में झूठ बोला है तो उन्हें नियमों का सामना करना होगा। उन्होंने (अध्यक्ष) पहले ही सदन में आश्वासन दिया है कि वह इस संबंध में आवश्यक और उचित निर्देश देंगे।

जो बोला तथ्य है, मेरा अधिकार है : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र लिखकर मांग की कि वह विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण के हटाए गए हिस्सों को बहाल करें। उन्होंने कोटा सांसद पर चयनात्मक निष्कासन का भी आरोप लगाया। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि मैं अनुराग ठाकुर के भाषण की ओर भी ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिनका भाषण आरोपों से भरा था, हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से केवल एक शब्द को हटाया गया है! आपके अच्छे स्वभाव के प्रति उचित सम्मान के साथ, यह चयनात्मक निष्कासन तर्क को अस्वीकार करता है। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा निष्कासन की आड़ में सदन की कार्यवाही से काट दिया गया। रायबरेली के सांसद ने यह भी दावा किया कि अध्यक्ष की कार्रवाई लोकसभा नियमों के खिलाफ थी। उन्होंने लिखा कि मैं 2 जुलाई की लोकसभा की असंशोधित बहसों के प्रासंगिक अंश संलग्न कर रहा हूं। मैं यह कहने के लिए बाध्य हूं कि हटाए गए अंश नियम 380 के दायरे में नहीं आते हैं। मैंने सदन में जो कहना चाहा वह जमीनी हकीकत है, तथ्यात्मक स्थिति है। सदन का प्रत्येक सदस्य जो उन लोगों की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, जिनका वह प्रतिनिधित्व करता है, उसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 105(1) में निहित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है।

भाजपा पर बोल रहे थे राहुल : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राहुल गांधी हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता आम तौर पर हिंदुओं के बारे में नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के बारे में बात कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी के साथ संसद भवन से बाहर निकलते हुए कहा कि वह हिंदुओं का अपमान नहीं कर सकते। उन्होंने भाजपा के बारे में बात की, उन्होंने भाजपा नेताओं के बारे में बात की।

तुम्हारा लहजा बता रहा है तुम्हारी दौलत नई-नई है : भाजपा सांसद संतोष पांडेय

भाजपा के सांसद संतोष पांडेय ने लोकसभा में अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि तुम्हारा लहजा बता रहा है कि तुम्हारी दौलत नई-नई है। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से अखिलेश जी आज बोल रहे थे, जब कल शुरुआत हुई तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस प्रकार की बातें कीं। आज अखिलेश जी ने शेर-शायरी से अपनी बात की शुरुआत की। तो मैं भी बता दूं

कि अखिलेश जी जरा सा कुदरत ने नवाजा, आके बैठे हो फलसफे में। तुम्हारा लहजा बता रहा है तुम्हारी दौलत नई-नई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए पांडेय ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को सदन में अपने भाषण के दौरान बार-बार भगवान शिव की तस्वीर दिखा रहे थे, लेकिन छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री, जो कांग्रेस के नेता हैं, ''महादेव के नाम पर सट्टा चला रहे थे''। पांडेय ने राहुल गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, ''नेता प्रतिपक्ष ने हिंदुओं का अपमान किया। कल सदन में मर्यादा को तार-तार करने की कोशिश की गई।''

भाजपा हिंदुत्व के नाम का दुरुपयोग कर रही : थरूर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी में ऐसे हिंदू हैं जो खुद को हिंदू कहने के बावजूद नफरत फैलाते है। यह पूरी तरह सच है,वे (भाजपा) हिंदुत्व के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं।

हिंदुओं के बारे में कोई गलत टिप्पणी नहीं की : राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत मंगलवार को संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के भाषण से उपजे राजनीतिक विवाद में कूद पड़े। संजय राउत ने कांग्रेस नेता का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुओं या हिंदू समुदाय के बारे में कोई गलत टिप्पणी नहीं की है। राउत नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल राहुल गांधी जी ने कहा कि हिंदुत्व बीजेपी के बराबर नहीं है। हिंदुत्व नफरत फैलाने को बढ़ावा नहीं देता। हम भाजपा द्वारा चित्रित नकली हिंदुत्व के साथ नहीं हैं। राहुल का समर्थन करते हुए राउत ने कहा कि उन्होंने हिंदुओं के बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा। जो लोग खुद को हिंदू मानते हैं उन्हें फिर से सुनना चाहिए कि

राहुल गांधीजी ने कहा था कि हिंदुत्व बहुत व्यापक शब्द है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बात को नहीं समझेगी। शिव सेना (उद्धव ठाकरे गुट) इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस और देश भर के अन्य विपक्षी दल शामिल हैं। इस गुट ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और भाजपा को अपने दम पर संसदीय बहुमत हासिल करने से रोक दिया।

संसदीय परंपराओं का उल्लंघन चिराग

एनडीए की बैठक पर केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरह से हमने हाल ही में स्पीकर चुनाव और अन्य उदाहरणों के दौरान संसदीय परंपराओं का उल्लंघन होते देखा है। पीएम के अनुभव से सीखना बहुत मायने रखता है, हमें उनका मार्गदर्शन मिला आज इस पर। उन्होंने कहा कि एक सांसद के रूप में अपने पहले दो कार्यकाल के दौरान, मैंने सीखने के लिए सदन में बहुत समय बिताया। केंद्रीय मंत्री और जद (एस) सांसद, एचडी

कुमारस्वामी ने कहा कि पीएम ने सभी सांसदों को सदन में उपस्थित रहने और बहुत सी चीजें सीखने की सलाह दी। उन्होंने सभी सदस्यों को सदन में कैसे व्यवहार करना है और जनता के पक्ष में कैसे काम करना है इसकी भी सलाह दी।

भाजपा का काम समाज में डर व भय का माहौल बनाना : तेजस्वी

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान को लेकर देश भर में सियासत तेज है। राहुल गांधी के संसद में दिए गए भाषण का राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने समर्थन किया है। राजद ने कहा कि राहुल गांधी ने भाजपा को बिल्कुल सही आईना दिखाया है। राजद ने आगे कहा कि सनातन का काम किसी को डराना और धमकाना नहीं बल्कि सौहार्द का वातावरण बनाना होता है,

लेकिन भाजपा का काम समाज में डर और भय का माहौल बनाना मात्र है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव हर रोज नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार को घेरते हैं। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसको लेकर तेजस्वी पूरी तरह से एक्टिव हैं। अब उन्होंने बिहार में ब?ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। इसके साथ उन्होंने दोनों डिप्टी सीएम को भी घेर लिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

राजनीतिक स्थिरता कायम रखना चुनौती!

लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में बनी एनडीए सरकार की जदयू पर निर्भरता को देखते हुए स्वाभाविक ही इस बात की पड़ताल शुरू हो गई है कि इस मांग पर जोर देने के पीछे जदयू नेतृत्व की मंशा क्या हो सकती है। इसका पता तो आने वाले समय में ही चलेगा। वैसे भी बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग कोई नई नहीं है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद भी काफी पहले से यह मांग करते रहे हैं।

बिहार में पहले जदयू और अब चिराग की लोजपा ने विशेष राज्य का दर्जा मांगकर एनडीए सरकार को असहज कर दिया है। ज्ञात हो कि जदयू व एलजेपी केंद्र सरकार में एनडीए की सबसे मजबूत पार्टनर है। बीजेपी के लिए ये दोनों टीडीपी की तरह की बहुत जरूरी हैं। पर दोनों के लिए अपने राज्य का हित सर्वोपरि है इसलिए आने वाले समय में इन दोनों की ओर से अपनी मांगों से सरकार के कभी भी खतरे में आने की संभावना बनी रह सकती है। इन सबके बीच चर्चा ये भी है कि सियासी पार्टियों द्वारा इस तरह से विशेष पैकेज की मांग की परंपरा आगे आने वाले समय में सत्तारूढ़ दलों के लिए गले की फांस न बन जाए। बहरहाल चुनावी और राजनीतिक प्राथमिकताएं अपनी जगह हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद अब सभी पक्षों के लिए उचित यही है कि जनादेश को उपयुक्त सम्मान देते हुए राजनीतिक स्थिरता कायम रखें और पूरे देश के संतुलित विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

बता दे जदयू ने दिल्ली में हुई अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जिस तरह से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी मांग दोहराई है, वह बदले राजनीतिक माहौल में खासी अहमियत भी रखता है। लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में बनी एनडीए सरकार की जदयू पर निर्भरता को देखते हुए स्वाभाविक ही इस बात की पड़ताल शुरू हो गई है कि इस मांग पर जोर देने के पीछे जदयू नेतृत्व की मंशा क्या हो सकती है। इसका पता तो आने वाले समय में ही चलेगा। वैसे भी बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग कोई नई नहीं है। मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद भी काफी पहले से यह मांग करते रहे हैं। पिछले साल बिहार विधानसभा इस मांग के पक्ष में प्रस्ताव भी पारित कर चुकी है। खास बात यह कि 14वां वित्त आयोग विशेष राज्य के इस दर्जे को समाप्त कर चुका है। उधर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने अभी ऐसा कोई प्रस्ताव भले पास न किया हो, अपने राज्य के लिए वह भी ऐसी मांग करते रहे हैं। मौजूदा राजनीतिक समीकरण की बात की जाए तो उनकी पार्टी का समर्थन भी केंद्र की एनडीए सरकार के लिए उतना ही अहम है। बल्कि, जदयू के 12 सांसदों के मुकाबले 16 सांसद होने के नाते उनकी ज्यादा अहमियत मानी जाएगी। लेकिन समीकरण चाहे जो भी हो, अभी यह मानने की कोई वजह नहीं है कि ये दल अपनी विशेष राज्य के दर्जे की या किसी भी दूसरी मांग को लेकर ज्यादा आगे बढ़ेंगे। ताजा बैठक पर गौर करें तो उसमें भी जोर टकराव के बजाय सरकार से सही तालमेल बनाए रखने पर ही दिखता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय आर्थिकी को गति देगा पर्यटन उद्योग

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में कहा कि एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में वर्ष 2024-25 का बजट ऐतिहासिक होगा। यह देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले विभिन्न सेक्टरों के भविष्य के दृष्टिकोण के लिहाज से बहुत ही प्रभावी दस्तावेज होगा। नए बजट के माध्यम से सरकार पर्यटन से आय बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की संभावनाओं को रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे सकती है। कहा जा रहा है कि भारत में घरेलू और विदेशी पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और भारत में पर्यटन सेक्टर बढ़ने की असीम संभावनाएं हैं।

पर्यटन मंत्रालय की हालिया प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से अप्रैल, 2024 के दौरान भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 34,71,833 रही जो एक साल पहले की समान अवधि में 31,33,751 थी। इन चार महीनों में न केवल भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, वरन इन चार महीनों में पर्यटन से विदेशी मुद्रा में आय सालाना आधार पर 27.18 प्रतिशत बढ़कर 90,600 करोड़ रुपये हो गई है। ऐसे में अब पर्यटन सेक्टर को मजबूत आधार देकर पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाई जा सकती है। दरअसल, एक विदेशी पर्यटक से औसतन 2 लाख रुपये की कमाई होती है। साथ ही पर्यटकों का खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में पुन: निवेश का काम करता है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से रोजगार और पर्यटन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार भी बढ़ते हैं। वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम ने यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 जारी किया है। 119 देशों के इस सूचकांक में भारत 39वें स्थान पर है। इसके पहले टीटीडीआई सूचकांक 2019 में भारत काफी नीचे 54वें स्थान पर था। नये टीटीडीआई सूचकांक में भारत पर्यटन से जुड़े कई महत्वपूर्ण संसाधन मापदंडों पर प्रमुख पर्यटन प्रधान देशों की सूची में शामिल है। प्राकृतिक मापदंड पर भारत छठे, सांस्कृतिक, कारोबार, चिकित्सा और शिक्षा के लिए यात्रा मापदंडों पर भारत 9वें क्रम पर है। इनमें कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में भारत 18वें, हवाई यातायात की प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में 26वें और जमीनी एवं बंदरगाह बुनियादी ढांचे के मामले में 25वें स्थान पर है। इस पर्यटन सूचकांक के विश्लेषण से यह भी मालूम होता है कि स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण

सततता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, और पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर भी भारत ने प्रगति की है। भारत को इस बात पर ध्यान देना होगा कि दुनिया के सभी प्रमुख पर्यटन गंतव्यों देशों के पर्यटन स्थलों की प्रमुख पहचान उनकी सुंदरता और पेशेवर तरीके से तैयार किए गए उनके संग्रहालयों की भूमिका से भी है। वहां उपलब्ध बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता, साधारण से साधारण पर्यटक के लिए भी उच्च गुणवत्ता की स्थानीय सार्वजनिक परिवहन सेवाएं, बसें, ट्रेन, ट्राम आदि के साथ-साथ वहां किफायती कीमत पर ठहरने और स्वच्छ व सुरक्षित आवास स्थलों की हैं। फिलहाल, दुनिया के विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या का कोई दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। यद्यपि पर्यटन उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 6 फीसदी का योगदान करता है लेकिन इसमें सिर्फ 8 करोड़ लोगों को ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार मिला हुआ है। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व और यूनेस्को द्वारा चिन्हित धरोहर स्थलों समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन स्थल अपनी चिर-परिचित पहचान बनाए हुए हैं और सभी प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाएं रखते हैं। इनके अलावा रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट, कृष्णा सर्किट, अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था केंद्रस्थल देश व दुनिया के धार्मिक पर्यटकों के कदमों को असाधारण रूप से आकर्षित कर सकते हैं।

23 मई, 2024 को प्रकाशित रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय पर्यटकों ने वर्ष 2023-24 में विदेश घूमने पर 17 अरब डॉलर यानी करीब 1.41 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जो कि इसके पूर्व वर्ष 2022-23 में विदेश घूमने पर किए गए व्यय की तुलना में अधिक हैं। निश्चित रूप से जहां एक ओर भारतीयों का विदेश यात्रा करने की तरफ तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इस दिशा में गंभीरता से प्रयास जरूरी हैं।

मानवीय संकट बढ़ाती परमाणु अस्त्र होड़

सी. उदय भास्कर

इस माह की चर्चाओं के केंद्र में मुख्य विषय प्रलयंकारी परमाणु हथियार और संकट में पड़े वैश्विक सुरक्षा तंत्र रहे। गत 17 जून को दो अहम रिपोर्टें एक ही दिन जारी हुईं- एक है, आईसीएएन (इंटरनेशनल कैम्पेन टू एबोलिश न्यूक्लियर वैपन्स) की और दूसरी है सिपरी (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की। इनके निष्कर्ष कष्टकारी और निराश करने वाले हैं। आईसीएएन रिपोर्ट बताती है कि एन-9 अर्थात परमाणु शक्ति संपन्न नौ राष्ट्रों (अमेरिका, यूके, रूस, चीन, फ्रांस, भारत, इस्राइल, पाकिस्तान और उत्तर कोरिया) ने अपने-अपने आणविक शस्त्रागारों के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्यक्रम पर 91 बिलियन डॉलर की राशि खर्च की है। इस बारे में सबका तर्क एक समान है यानी 'दूसरों से परमाणु खतरे' का वास्ता देते हुए, अपने अंदर गहरे पैठी सामरिक 'असुरक्षा की भावना' का तुष्टीकरण है।

अनुमान को सिद्ध करते हुए, सबसे अधिक धन खर्च वालों में चोटी के तीन मुल्कों में पहले पायदान पर अमेरिका है (51.5 बिलियन डॉलर)- जो कि विश्वभर में परमाणु हथियार संबंधित कुल व्यय का आधे से अधिक है, दूसरे नंबर पर चीन (11.8 बिलियन) और तृतीय पर रूस (8.3 बिलियन) है। आईसीएएन की निदेशक मेलिसा पार्के का कहना है कि परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों का इस मद में सकल खर्च प्रति सेकंड 2,898 डॉलर बैठता है और यह सम्मिलित व्यय संपूर्ण दुनिया से भुखमरी खत्म करने को जितना पैसा चाहिए, उससे अधिक है। उन्होंने आगे कहा- 'एक मिनट में जितना खर्च परमाणु हथियारों पर होता है, उतने में 10 लाख पौधे रोपे जा सकते हैं।' यहां पर रोपे जाने वाले पौधों की संख्या का संदर्भ वैश्विक ताप सूचकांक में निरंतर बढ़ोतरी और पर्यावरणीय बदलावों से पैदा हुए अतिशय मौसम के संदर्भ में प्रासंगिक है, किंतु इस मुद्दे पर संसार की प्रतिक्रिया लचर और निष्प्रभावी किस्म की है।

भारत इन दिनों झुलसा देने वाली गर्मी झेल रहा है, तिस पर इसका पेड़ और मनुष्य का अनुपात भयावह रूप से बहुत कम है, और भारत विश्व के सबसे अधिक प्रभावित बड़े देशों में एक है (कुल भूभाग और जनसंख्या के लिहाज से)। यह भू-भौतिक प्रवृत्ति जल्द ही विश्व के सभी मनुष्यों की सुरक्षा के लिए गंभीरतम खतरा बनने जा रही है। हज करने गए लोगों की झुलसाती गर्मी से संबंधित हालिया मौतें इसका साक्षात उदाहरण हैं। सिपरी की वार्षिक पत्रिका-2024 वह बृहद प्रकाशन है जो अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, शस्त्र एवं तकनीक, सैन्य व्यय, शस्त्र उत्पादन, शस्त्र-व्यापार, हथियारबंद संघर्ष और युद्ध प्रबंधन के अलावा रिवायती, परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों पर नियंत्रण को लेकर प्रयासों का अवलोकन प्रस्तुत करता है। लगभग सौ पन्नों का परमाणु अध्याय पिछले साल परमाणु क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास और चलन का बहुमूल्य सार प्रस्तुत करता है। लेखक हैन्स क्रिसटेंसेन और मैट कोर्डा के परिश्रम की तारीफ करनी बनती है कि उन्होंने इस गोपनीय क्षेत्र की अंदरूनी जानकारी बहुत मेहनत से खोद निकाली है, जबकि इस विषय-वस्तु पर अमूमन तथ्यों की जगह भ्रामक जानकारी एवं सूचनाएं और राजनीतिक लफ्फाजी का बोलबाला रहता है।

सिपरी आणविक सर्वे का मुख्य निष्कर्ष यह है कि परमाणु हथियारों की किस्मों और संख्या में वृद्धि हुई है। सभी परमाणु शक्ति संपन्न मुल्कों ने अपनी 'प्रतिरोधक आणविक' क्षमता पर निर्भरता बढ़ाई है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह करने से मूल राष्ट्रीय हित सुरक्षित होते हैं। इसका नवीनतम उदाहरण रूस-यूक्रेन युद्ध है, जब रूस ने अमेरिका नीत नाटो को परमाणु अस्त्र प्रयोग की धमकी देते हुए अपनी ओर से 'रेड लाइन' खींच दी, बदले में, नाटो और अमेरिका ने भी कहा कि वे भी अपनी तमाम जवाबी परमाणु तैयारियों में बढ़ोतरी करने जा रहे हैं। सिपरी आणविक अवलोकन संकेत देता है कि 2024 के शुरुआती दिनों में, नौ परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के पास कुल मिलाकर लगभग 12,121 परमाणु हथियार हैं, जिनमें 9,585 के बारे में माना जाता है कि इस्तेमाल के लिए तत्काल तैयार हैं। कयास है कि 3,904 आणविक आयुध कार्यकारी बलों के साथ तैनात हैं और इनमें भी लगभग 2100 को उच्च संचालन सतर्कता श्रेणी में रखा गया है- यह संख्या पिछले साल के मुकाबले 100 अधिक है।

जहां एक ओर अमेरिका और रूस के परमाणु हथियारों का सम्मिलित हिस्सा अभी भी विश्व के सकल आणविक शस्त्रागारों का 88 प्रतिशत है वहीं चीन को लेकर सिपरी का आंकड़ा चौंकाने वाला है, जनवरी, 2023 में उसके पास 410 परमाणु अस्त्र थे जो जनवरी, 2024 में बढ़कर 500 हो गए और इनकी संख्या आगे और बढ़ने की उम्मीद है। यह भी कहा कि चीन अगले एक दशक तक अपने परमाणु शस्त्रागार का काफी आधुनिकीकरण और विस्तार करने की प्रक्रिया में लगा रहेगा और कुछ अनुमानों के मुताबिक इस अवधि में चीन भी रूस एवं अमेरिका जितनी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात करने का मंसूबा रखता है। चूंकि चीन की अमेरिका से होड़ है, उसके आणविक हथियारों की तैनाती (जो वर्तमान में 24 है) में स्पष्ट दिखाई देने वाली बढ़ोतरी का बहुत ज्यादा असर दक्षिण एशिया की रणनीतिक संतुलन स्थिरता पर पड़ेगा, जो कि भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। शीत युद्ध के दौरान, अमेरिका एवं उसके सहयोगियों और तत्कालीन सोवियत संघ के बीच परमाणु मिसाइलों की गिनती बढ़ाने की दौड़ 1945 से 1991 तक जमकर चली।

कच्चे आम की घर पर बनाएं खट्टी-मीठी लौंजी

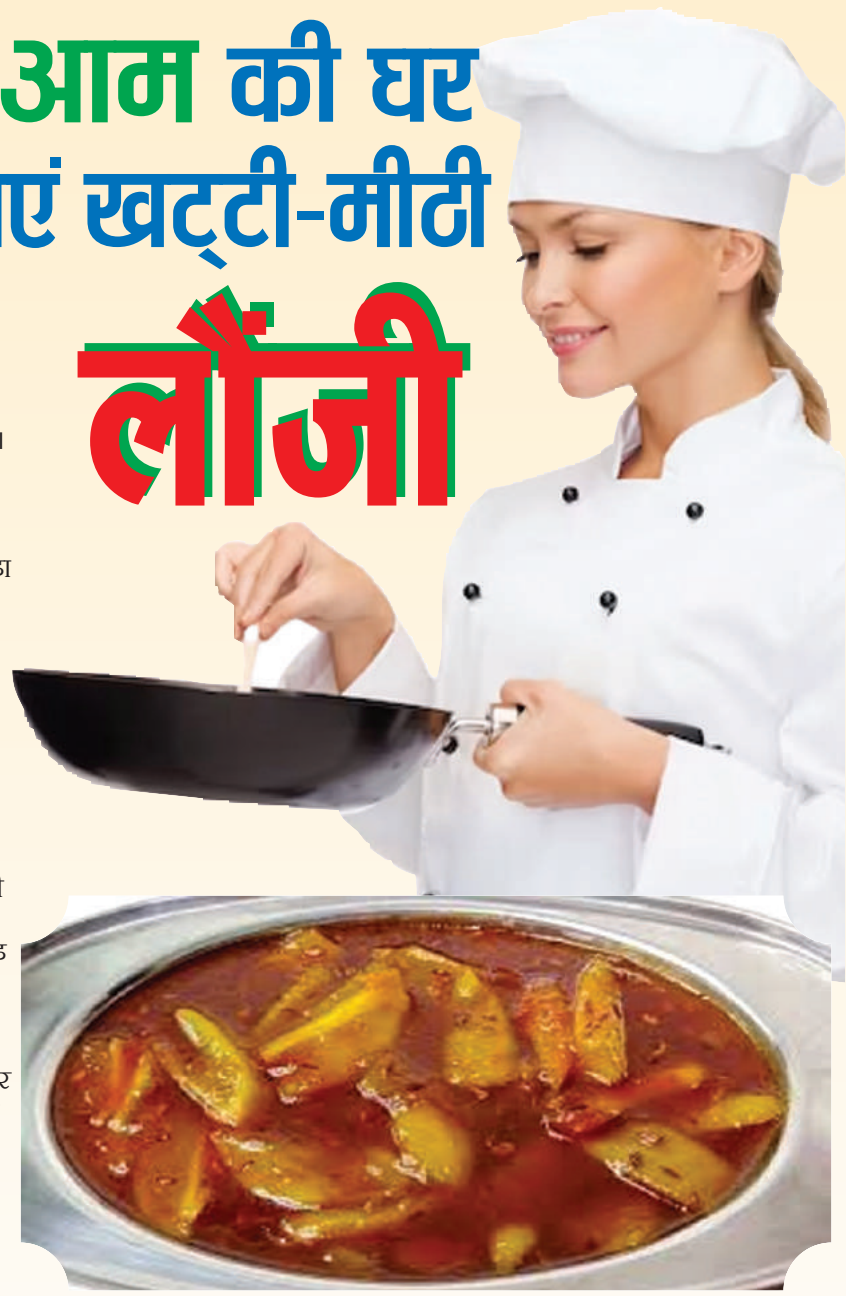

फलों का राजा आम खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे आम खाना पसंद न हो। गर्मी के मौसम में आपको बाजार में दशहरी, चौसा, सिंदूर, चुस्वा, आमरपाली, लंगड़ा समेत कई प्रकार की वैरायटी के आम मिलते हैं। इन सभी का स्वाद काफी अलग होता है। गर्मी के मौसम में ही कच्चे आम भी बाजार में मिलते हैं, जिनसे कई प्रकार के अचार बनाए जाते हैं। कच्चे आम से एक ऐसी डिश भी बनती है, जो खाने में खट्टी-मीठी होती है। इस साइड डिश को बनाकर आप अपने फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी घर पर कच्चे आम की मदद से कुछ स्वादिष्ट बनाने का सोच रहे हैं तो आम की लौंजी या फिर आम का गलका एक बेहतर विकल्प है।

सामग्री

कच्चे आम- 2-3, सरसों का तेल, सौंफ- 1 टीस्पून, मेथी दाना- 1/2 टीस्पून, हींग- 1 चुटकी, हल्दी पाउडर- 1/2 टीस्पून, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, गुड़, नमक- स्वादानुसार, काला नमक- 1/2 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1 टीस्पून।

विधि

कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे आम को धोकर छील लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इसकी गुठली हटा लें। इसके बाद एक कड़ाही में सरसों का तेल गरम करें। तेल गरम होने पर उसमें सौंफ और मेथी दाना डालें। मसाले चटकने के बाद इसमें थोड़ी सी हींग डालें। जब मसाला तैयार हो जाए तो कड़ाही में कटे हुए कच्चे आम डालें। अब इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। आम को अच्छी तरह से चलाने के बाद कड़ाही में हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और धनिया पाउडर डालें। अब इन सभी चीजों को अच्छी तरह से चलाते हुए भूनना है। इसके बाद कड़ाही में गुड़ डालें और इसे पिघलने का इंतजार करें। जब ये पिघल जाए तो थोड़ा सा पानी डालकर इसे धीमी आंच पर पकने दें। जब आम पूरी तरह से नरम हो जाएं और मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं तो इसमें नमक और काला नमक डालें। आखिर में दो मिनट के लिए इसे अच्छी तरह से चलाएं और फिर गैस बंद कर दें। आम की ये लौंजी तैयार है, इसे आप पराठे के साथ परोस सकते हैं। इसके साथ ही इसे फ्रिज में स्टोर करके रख लें।

पोहे से तैयार करें स्वादिष्ट इडली

दक्षिण भारत के खाने का स्वाद पूरे देश में फैला हुआ है। जब भी हेल्दी खाने का जिक्र होता है तो उसमें दक्षिण भारत के खाने को लोग प्राथमिकता देते हैं। खासतौर पर इडली और डोसा तो ज्यादातर लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। बड़े-बड़े सिलेब्रिटी भी नाश्ते में डोसा या इडली खाना पसंद करते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, उतना ही ये खाने में स्वादिष्ट लगती है। अगर इसे पारंपरिक तरह से बनाया जाए तो इसके लिए आपको उड़द की दाल और चावल की जरूरत पड़ेगी, लेकिन अगर आप इंस्टेंट इडली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आप पोहा इस्तेमाल करके इडली तैयार कर सकते हैं। पोहे की इडली बनाना भी काफी आसान है, बल्कि ये दाल-चावल की इडली से सरल पड़ेगी।

सामग्री

पोहा - 1 कप, सूजी - 1 कप, दही- 1 कप, नमक - स्वादानुसार, ईनो - 1 छोटा चम्मच, तेल (सांचे में लगाने के लिए)।

विधि

पोहे से इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को अच्छे से धो लें और लगभग 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद इसे पानी से निकालकर पोहे को पीसकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। पोहे का पेस्ट तैयार करने के बाद एक बड़े बर्तन में इसे लेकर इसमें सूजी और दही को मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाकर एक गाढ़ा बैटर तैयार करें। अगर ये ज्यादा गाढ़ा हो गया है तो इसमें थोड़ा सा पानी मिक्स करें। इस बैटर को 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें, ताकि सूजी अच्छे से फूल जाए। 20 मिनट के बाद बैटर में नमक मिलाएं। अब इडली स्टीमर को तैयार करें। स्टीमर में पानी भरके इसे गैस पर चढ़ा दें, ताकि पानी खौल जाए। इसके साथ ही इडली के सांचे में हल्का-हल्का तेल लगाएं। जब आप इडली स्टीमर तैयार कर लें और पानी उबलने लगे, तब बैटर में ईनो डालें और तुरंत अच्छे से मिलाएं। ईनो डालने के बाद बैटर फूलने लगेगा। अब इडली के हर सांचे में बैटर डालें, लेकिन ध्यान रखें कि सांचे को पूरी तरह से न भरें। अब इसे मध्यम आंच पर 10-15 मिनट तक स्टीम करें। बीच में एक चाकू या टूथपिक इडली में डालकर जांचें। अगर यह साफ निकलता है तो इडली तैयार है। जब इडली तैयार हो जाए तो इसे निकाल कर सांभर के साथ परोसें।

हंसना मना है

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे... रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला... उसने कहा मुझे भी बिठा लो। कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेगी गुंडों के साथ घूमता है।

गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओ 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलो कितना होगा? पप्पू- जी सर....टन, टन, टन। टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं।

एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा, दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा, और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा....

कहानी — निर्दोष को कैसी सजा

एक राजा के तीन पुत्र थे और अपने उन तीनों पुत्रों में से वह किसी एक पुत्र को राजगद्दी सौंपना चाहता था। पर किसे? राजा ने तीनो पुत्रों को बुलाकर कहा - अगर तुम्हारे सामने कोई अपराधी खड़ा हो तो तुम उसे क्या सजा दोगे? पहले ने कहा कि अपराधी को मौत की सजा दी जाए तो दूसरे ने कहा कि अपराधी को काल कोठरी में बंद कर दिया जाये। अब तीसरे ने कहा कि पिताजी सबसे पहले यह देख लिया जाये कि उसने गलती की भी है या नहीं। इसके बाद उस राजकुमार ने एक कहानी सुनाई कि किसी राज्य में राजा हुआ करता था, उसके पास एक सुन्दर सा तोता था। वह तोता बड़ा बुद्धिमान था, उसकी मीठी वाणी और बुद्धिमत्ता की वजह से राजा उससे बहुत खुश रहता था। एक दिन तोते ने राजा से कहा कि मैं अपने माता-पिता के पास जाना चाहता हूं। वह जाने के लिए राजा से विनती करने लगा। राजा ने कहा ठीक है पर तुम्हें पांच दिनों में वापस आना होगा। तोता अपने माता-पिता से जंगल में मिला और खूब खुश हुआ। पांच दिनों बाद जब वह वापस राजा के पास जा रहा था तब उसने एक सुन्दर सा उपहार राजा के लिए ले जाने का सोचा। वह अमृत फल ले जाना चाहता था। उसने पर्वत पर फल को तोड़ा और रात वहीं गुजारने का सोचा। वह सो रहा था कि तभी एक सांप ने फल को खाना शुरू कर दिया। सांप के जहर से वह फल भी विषाक्त हो चुका था। जब सुबह तोता राजा के पास पहुंचा और कहा- मैं आपके लिए अमृत फल लेकर आया हूं। तभी मंत्री ने कहा कि महाराज पहले देख लीजिए कि फल सही भी है कि नहीं ? राजा ने बात मान ली और फल में से एक टुकड़ा कुत्ते को खिलाया। कुत्ता तड़प-तड़प कर मर गया। राजा बहुत क्रोधित हुआ और अपनी तलवार से तोते का सिर धड़ से अलग कर दिया। वह फल बाहर फेंक दिया। कुछ समय बाद उसी जगह पर एक पेड़ उगा। राजा ने कहा इस पेड़ का फल ना खाएं क्यूंकि उसे लगता था कि यह अमृत फल विषाक्त होते हैं और तोते ने यही फल खिलाकर उसे मारने की कोशिश की थी। एक दिन बूढ़ा आदमी उस पेड़ के नीचे विश्राम कर रहा था। उसने फल खाया और वह जवान हो गया। जब राजा को पता चला तो उसे बहुत ही पछतावा हुआ उसे अपनी करनी पर लज्ज़ा हुई। तीसरे राजकुमार के मुख से यह कहानी सुनकर राजा बहुत खुश हुआ और तीसरे राजकुमार को सही उत्तराधिकारी समझते हुए उसे ही अपने राज्य का राजा चुना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मिथुन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह — कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला — जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु — भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मकर — आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ — पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

पौलमी दास ने की अनिल कपूर की आलोचना

बिग बॉस ओटीटी 3 को 1 हफ्ता हो चुका है। इस हफ्ते लोगों को काफी ड्रामा देखने को मिला। वीकेंड के वार में पायल मलिक बिग बॉस हाउस से बाहर हो गई है। वहीं नए एपिसोड में पौलमी दास होस्ट अनिल कपूर पर कमेंट करते हुए उन पर पक्षपात का आरोप लगाया है। पौलमी ने शिवानी के द्वारा किए गए कमेंट पर अनिल कपूर की चुप्पी पर सवाल उठाती है। वह बोलती है कि वह एक्टर की राय से सहमत नहीं है। वीकेंड के वार में अनिल कपूर ने पौलमी की आलोचना की थी। हाल ही में शिवानी ने पौलमी दास को बोला था कि तुम जैसी लड़कियां जिस वजह से पौलमी भड़क गई। शिवानी और पौलमी के बीच जमकर बहसबाजी हुई। पौलमी ने शिवानी से पूछा कि तुम जैसी लड़कियां से उनका क्या मतलब था। लेकिन शिवानी ने अपनी बात का मतलब नहीं बताया। वीकेंड के वार के बाद पौलमी ने सीधे तौर पर अनिल कपूर की आलोचना की, उनसे पुछा कि उन्होंने शिवानी के इस कमेंट पर रिएक्ट क्यों नहीं किया। पौलमी दास ने लिविंग एरिया में बोला कि चंद्रिका और अरमान से बात करते हुए बोलती है कि वह अपनी राय दे रहे हैं लेकिन मुझे अफसोस है, मैं इससे सहमत नहीं हूं। शो के बाहर चंद्रिका को लेकर मेरे कमेंट्स पर बात हुई लेकिन मुझे नहीं लगता है कि यह सही है। मुझे ऐसा लगता है कि कोई भी इस बात पर चर्चा नहीं कर रहा है कि शिवानी ने जो मेरे बारे में बोला। पौलमी ने आगे बोला कि जब मैंने इस बात को उठाने की कोशिश की तो बात बदल दी गई, ये तो गलत है। तुम्हारी जैसी लड़कियों वाला कमेंट मुझे अभी भी परेशान कर रहा है, क्योंकि बाहर मेरे जैसी कई लड़कियां हैं। मुझे जानना है कि शिवानी का क्या मतलब था।

साउथ में भी है 'मिर्जापुर' की माधुरी भाभी की धमक

लोकप्रिय सीरीज मिर्जापुर का तीसरा सीजन आने वाला है। रिलीज डेट है 5 जुलाई और रिलीज होने का ठिकना है प्राइम वीडियो। ट्रेलर तो पहले ही आ चुका है और देखकर यह अंदाजा भी हो गया है कि अगला सीजन पिछले दो सीजन से ज्यादा तूफानी होने वाला है। आखिर घायल शेर की वापसी का मामला है। ट्रेलर में कालीन भैया, गुड्डू पंडित के अलावा महिलाओं को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। इसी सीरीज की एक पात्र हैं माधुरी भाभी, इसे निभाया है अभिनेत्री ईशा तलवार ने। सीरीज में उनकी बोल्डनेस, रुआब और अभिनय ने दर्शकों को दीवाना बना दिया है। अगले सीजन में भी वह दमदार अंदाज में नजर आएंगी। आइए जानते हैं उनके बारे में....

ईशा तलवार ने मिर्जापुर में माधुरी भाभी के किरदार से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इस सीरीज में उनकी शादी कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) से हुई है। ईशा तलवार चुनावी मैदान में सक्रिय भागीदारी करती दिखी हैं। इस सीरीज ने बेशक ईशा को लोकप्रियता के शीर्ष पर पहुंचाया है, लेकिन उनका करियर काफी लंबा है। वह साउथ सिनेमा की भी नामी अदाकारा हैं। सबसे दिलचस्प तो उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी।

ईशा तलवार हिंदी के अलावा मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ईशा तलवार का जन्म 22 दिसंबर 1987 को मुंबई में हुआ। ईशा ने महज 10 साल की उम्र में बॉलीवुड फिल्म हमारा दिल आपके पास है (2000) से डेब्यू किया था। हालांकि, बतौर अभिनेत्री उन्होंने अपना करियर वर्ष 2012 में मलयालम फिल्म थात्ताथिन मरयात्हू से शुरू किया। इसके बाद उन्हें आई लव मी (2012) में देखा गया था। इसके बाद ईशा तलवार ने मैजिक लव (2013) के साथ तेलुगु फिल्मों में और थिल्लू मुल्लू (2013) के साथ तमिल फिल्मों में शुरुआत की। उन्होंने मलयालम सिनेमा में कई फिल्में की हैं। इसके बाद बॉलीवुड में ईशा ने अच्छा काम किया। वर्ष 2017 में फिल्म ट्यूबलाइट में वह नजर आई।

रोहित शेट्टी बंद करेंगे कंटेस्टेंट्स की बोलती

रियलिटी स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 14 का पहला प्रोमो वीडिया सामने आया है। रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर प्रोमो वीडियो शेयर किया है। वीडियो में डायरेक्टर बताते हैं कि कैसे सभी खिलाड़ी यूरोप में हॉलिडे के मूड में आए थे, कोई शॉपिंग जा रहा था तो कोई नेचर का मजा ले रहा था, कोई घूमने निकल गया। लेकिन अब उस चीज की बारी है जिसके लिए इन सभी खिलाड़ियों को रोमानिया लाया गया है।

प्रोमो वीडियो में साफ दिखाया गया है कि यह सीजन पिछले सभी सीजन से काफी खतरनाक होने वाला है। सभी खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक जानलेवा स्टंट करवाएं जाएंगे। बता दें कि टेलीकास्ट होने से पहले ही ये सीजन चर्चा में बना हुआ है। दरअसल सोशल मीडिया पर खिलाड़ियों को चोटिल होने की खबरें आई है। उनकी फोटोज ने नए सीजन की एक्साइटमेंट को काफी बढ़ा दिया है।

प्रोमो वीडियो में देखने को मिला है कि एक्टर शालीन भनोट हेलिकॉप्टर से लटके हुए दिख रहे हैं। वहीं कोई अन्य कंटेस्टेंट बीच ट्रेक से गाड़ी में कुदता हुआ दिख रहा है। ऐसे में साफ पता चलता है कि आने वाला सीजन बेहद खतरनाक होगा। प्रोमो वीडियो सामने आने के बाद शो को लेकर लोगों के बीच उत्साह बढ़ गया है। खतरों के खिलाड़ी 14 शो में निमरित कौर अहलूवालिया, गशमीर महाजनी, आशीष मेहरोत्रा, शिल्पा शिंदे, शालीन भनोट, नियति फतनानी, आसिम रियाज, करण वीर मेहरा, कृष्ण श्रॉफ समेत, सुमोना कई स्टार्स नजर आएंगे। यह सभी स्टार्स शो में खतरनाक स्टंट से दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश करेंगे।

अजब-गजब | वो सबसे खतरनाक आइलैंड, जो है जहरीले सांपों का बसेरा

यहां चलता है सिर्फ सांपों का राज!

सांप के बारे में सोचते ही आपके दिमाग में एक ऐसे जीव की तस्वीर बनती है, जो खतरनाक भी है और फुर्ती से खतरे से बच भी सकता है। हालांकि आमतौर पर हम सांपों को ज़मीन पर ही रेंगते हुए देखते हैं। एक ही सांप को देख लें तो हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं, ज़रा उस आइलैंड की कल्पना कीजिए जहां हज़ारों की संख्या में इतने विषैले सांप हों कि अपने ज़हर से वो आपके मांस तक को पिघला दें!

आज हम आपको एक ऐसे ही द्वीप के बारे में बताएंगे, जहां दुनिया के सबसे ज़हरीले सांप हज़ारों की संख्या में रहते हैं। एल्हा दा क्रिमादा ग्रैंड नाम का आइलैंड है, जहां अलग ही किस्म के सांप पाए जाते हैं। इस द्वीप पर जाने की किसी की हिम्मत नहीं है क्योंकि ये सांप नहीं साक्षात यमराज के दूत हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक एल्हा दा क्रिमादा ग्रैंड को स्नेक आइलैंड कहा जाता है। यहां ज़हरीले वाइपर स्नेक रहते हैं, वो भी 2000 से 4000 तक की संख्या में। ये जगह ब्राज़ील में साओ पाउलो कोस्ट से 90 मील की दूरी पर है, जहां पांव रखना भी अवैध है। वाइपर स्नेक की सबसे खतरनाक प्रजाति लेंसहेड वाइपर्स यहां रहते हैं, जो यहां के अलावा और कहीं नहीं मिलते। इनके ज़हर की खासियत ये है कि इंसानी मांस को भी

पिघला सकते हैं और महज एक घंटे के अंदर किसी स्वस्थ आदमी को भी मौत की नींद सुला सकते हैं। एल्हा दा क्रिमादा ग्रैंड का मतलब होता है भयानक अग्नि का द्वीप। ये नाम भी इसे इसलिए दिया गया है क्योंकि पहले यहां सांपों को भगाने के लिए आग जलाकर लोग जाते थे। यहां पहले एक लाइटहाउस हुआ करता था। 1909 से 1920 के दशक में लोग यहां रहते भी थे लेकिन अब यहां कोई भी नहीं रहता। हालांकि कुछ लोग अवैध रूप से सांपों को पकड़ने यहां जाते हैं, जिनकी कीमत ब्लैक मार्केट में 24 लाख 31 हज़ार रुपये से भी ज्यादा में लगती है।

गेंहू चावल नहीं, बिच्छू की खेती से करोड़पति बन रहे लोग हैं यहां के लोग

दुनियाभर में कई ऐसी हैरान कर देने वाली चीजें हो रही हैं या फिर मौजूद हैं, जिसके बारे में जानकर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। कहीं पर सांपों का बागीचा है, तो कहीं पर लोग कुत्ते-बिल्ली को मारकर खा जाते हैं। तो कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां के लोग सांप-कॉकरोच और झिंगूर जैसे जीवों की खेती करते हैं। इन जीवों की खेती से ये लोग डबल फायदा भी कमाते हैं। पहला फायदा तो इनके जहर को बेचने से होता है, फिर दूसरा फायदा इन्हें खाने के रुप में इस्तेमाल करने से होता है। सोशल मीडिया पर ऐसे ही एक खतरनाक कीड़े की खेती का वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे लोग करोड़पति बन रहे हैं। लेकिन वीडियो देखते ही लोगों की रूह कांप जाती है, डर से चीख भी निकल सकती है।

सोशल मीडिया पर बिच्छू की खेती का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शुरुआत में एक महिला छोटे-छोटे कीड़ों के पूंछ को पकड़कर उससे पानी जैसा कुछ निकाल रही है। पहली बार में समझ ही नहीं आता है कि ये क्या है? दूध जैसा सफेद दिख रहे इस द्रव्य को महिला एक बोतल में भरती है। फिर वापस वीडियो में दिखाया जाता है कि ईंट के ऊपर कीड़ों को बड़े डब्बे से नीचे गिराया जा रहा है, जो कि बिच्छू के बच्चे हैं। समय गुजरने के साथ ईंटों के ऊपर ये बिच्छू के बच्चे बड़े होकर सामने दिखने लगते हैं। इनके खाने की व्यवस्था भी पास में ही मौजूद है। एक महिला हाथ में ब्लू ग्लव्स लगाए इन बिच्छुओं को डब्बे में भरती है। वो उन डब्बों को लेकर एक अलग कमरे में जाती है। बिच्छू चुपचाप डब्बे के अंदर पड़े हुए हैं। सामने कई डब्बे मौजूद हैं। एक महिला बड़े आराम से उन बिच्छुओं को पकड़ती है। उसके एक हाथ में बिच्छुओं की बॉडी रहती है, तो दूसरे हाथ में डंक मारने वाली जगह को दबाने के लिए एक चिमटा रहता है। उस चिमटे के सहारे वो बिच्छुओं के जहर को बोतल में गिरा रही है। इस जहर का इस्तेमाल दवा बनाने में किया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग इस वीडियो को खूब देख रहे हैं, जिसे इंस्टाग्राम पर @learn_with_swathi नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। अब तक इस वीडियो को 1 करोड़ 63 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

कोर्ट में वादियों का ध्यान और उनके हितों की सेवा करना जरूरी : चंद्रचूड़

» बोले- जलवायु परिवर्तन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

» सीजेआई ने कोर्ट परिसरों के निर्माण की आधारशिला रखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन अदालत परिसरों की आधारशिला रखी है। शास्त्री पार्क और रोहिणी (सेक्टर-26) में कोर्ट परिसरों के निर्माण की आधारशिला रखी गई है। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी मौजूद रहीं। शिलान्यास के मौके पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमने तीन अदालतों की आधारशिला रखी है।

यह आधारशिला समारोह दिल्ली के नागरिकों और अन्य लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जो न्याय की तलाश में यहां आएंगे। ये पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ इमारतें हैं, जो न्यायाधीशों, वकीलों और सभी वादियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करेंगी। मुझे उम्मीद है कि यह परियोजना तय समय पर पूरी हो जाएगी, ताकि सभी वादियों को बहुत जरूरी सुविधाएं मिल सकें। सबसे बढ़कर, हमें वादियों को ध्यान में रखना होगा और उनके हितों की सेवा करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश(सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जलवायु परिवर्तन को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमें अपने दैनिक जीवन में हरित जीवनशैली को शामिल करने की जरूरत है, इसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। सीजेआई ने कहा कि इस साल दिल्ली में सबसे गर्म मौसम रहा और एक ही दिन में दो बार लू चली और उसके बाद रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई, इसलिए हमारे बुनियादी ढांचे में वह वास्तविकता झलकनी चाहिए, जिसमें हम रह रहे हैं। जलवायु परिवर्तन को अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

न्यायिक प्रणाली को और मजबूत करना होगा : एलजी

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि यह महसूस किया गया है कि हमारे जैसे विशाल लोकतंत्र में, कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए कानून और न्याय के शासन की आवश्यकता है। असमानता की खाई को पाटने के लिए न्यायिक प्रणाली को मजबूत करना और हमारे समाज के तेजी से बदलते ढांचे में असमानता को कम करने के सभी प्रयास करना अनिवार्य है। आगे कहा कि मुख्य न्यायाधीश शीघ्र समाधान के हित में भौतिक न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। उन्होंने न केवल मामलों के तेजी से निपटान के लिए, बल्कि जांच और सुनवाई में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर भी जोर दिया है।

लोगों का जीवन संवार रही दिल्ली सरकार : आतिशी

इस मौके पर दिल्ली मंत्री आतिशी ने कहा कि मैं आज कहना चाहूंगी कि हमें भारतीय संविधान के दृष्टिकोण को पूरा करने में कई जिम्मेदारियां दी गई हैं। इस उद्देश्य के लिए, हम स्कूल बनाते हैं, हम अपने बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा देने की दिशा में काम करते हैं, हम अस्पताल बनाते हैं, हम लोगों के घरों के पास प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा का बुनियादी ढांचा ले जाते हैं, हम युवाओं को संपन्न उद्यमियों में बदलने की दिशा में काम करते हैं, हम महिलाओं को आर्थिक अवसरों तक पहुंचने में मदद करते हैं, हम बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करते हैं। दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है। ताकि समाज के सबसे गरीब तबके का भी सम्मानजनक अस्तित्व हो। संविधान और कानून की नजर में हम सभी समान हैं।

राहुल गांधी के भाषण को तोड़ मरोड़ कर पेश कर रही बीजेपी : मुकेश नायक

» कांग्रेस का दावा- मुद्दों से भटकाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सांसद राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी लगातार हमलावर है। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने दावा किया है कि राहुल गांधी के बयान को तोड़ मरोड़ कर दिखाया जा रहा है। मप्र कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के भाषण को लेकर भाजपा ने जिस तरह से देश की जनता को गुमराह किया है, उनकी कही गई बात और अभिप्राय को बदलने का सबसे निकृष्ट उदाहरण है।

जो भाजपा ने देश की जनता के सामने रखा है। साम्प्रदायिक और विभाजनकारी शक्तियां, अलगाववादी शक्तियां और भारत के समतावेशी और समावेशी शक्तियां हैं। खासकर भाजपा की तरफ राहुल गांधी ने इशारा किया है कि भाजपा के लोग पूरे देश में अशांति फैलाते हैं।

इंडी गठबंधन के सनातन विरोधी एजेंडे का हिस्सा है राहुल गांधी का बयान : प्रहलाद पटेल

मप्र के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोकसभा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का हिंदुओं को हिंसक बताया जाना कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सनातन विरोधी हिडन एजेंडे का ही हिस्सा है। ऐसा करके राहुल गांधी ने एक बार फिर सनातन को अपमानित करने का प्रयास किया है।

राहुल की छवि खराब करने के लिए लिया सोशल मीडिया का सहारा : डोटासरा

राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्ची सरकार काम कर रही है, जिसे सीएम भजनलाल ने प्रमाणित कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केवल दिल्ली से आई पर्ची पढ़कर ही बोलते हैं।

खुफिया इनपुट के बाद नेता प्रतिपक्ष के आवास की सुरक्षा बढ़ी

» हिंदू संगठनों से जुड़े लोग कांग्रेस नेता पर कर सकते हैं हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को खुफिया विभाग से इनपुट मिला हैं कि हिंदू संगठनों से जुड़े लोग कांग्रेस नेता पर हमला कर सकते हैं। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने गृहमंत्रालय के आदेश के बाद राहुल गांधी व उनके आवास की सुरक्षा बढ़ा दी है। आवास पर अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। साथ ही इलाके में रहने वाले कांग्रेस नेताओं पर नजर रखी जा रही है।

नई दिल्ली में खुफिया तंत्र को अलर्ट कर दिया गया है। राहुल गांधी के आवास पर दो प्लाटून फोर्स तैनात की गई है। एक प्लाटून में 16 से 18 पुलिसकर्मी होते हैं। इसके अलावा तुगलक रोड थाने से आठ से 20 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। नई दिल्ली जिले के बार्डर सील कर दिए हैं। चेकिंग के बाद ही लोगों को नई दिल्ली में प्रवेश करने दिया जा रहा है। नई दिल्ली इलाके में पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है।

राहुल, पवार ने 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने के संबंध में चर्चा की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और महाराष्ट्र के कुछ अन्य विपक्षी नेताओं से मुलाकात की और 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पवार ने संसद भवन परिसर में लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन को मजबूत करने के तरीकों और राज्य की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। महाराष्ट्र में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है।

केजरीवाल की अर्जी पर सीबीआई को नोटिस जारी

» सात दिन में मांगा जवाब 17 जुलाई को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

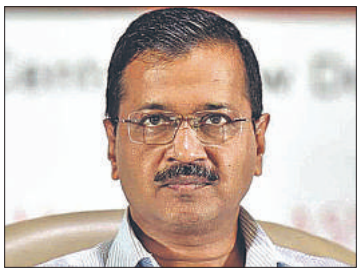

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने सात दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने और उसके बाद दो दिनों में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई, 2024 के लिए तय की है।

सीबीआई ने केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था, जब वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में थे। केजरीवाल को हाल ही में 20 जून को ईडी मामले में ट्रायल कोर्ट ने जमानत दी थी। हालांकि, ईडी द्वारा तत्काल याचिका दायर करने के अगले दिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जमानत देने पर अंतरिम रोक लगा दी। ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश पर रोक की पुष्टि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 25 जून को की थी। वहीं उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन और भ्रष्टाचार मामलों में बीआरएस नेता के कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मामलों में जमानत मांगने वाली कविता की याचिकाओं को खारिज कर दिया। कविता वर्तमान में सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में है।

स्वाति मालीवाल का केजरीवाल को लिखी चिट्ठी

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर महिला आयोग की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। चार पेज की केजरीवाल को लिखी चिट्ठी ने स्वाति मालीवाल ने लिखा है कि जब से मैंने दिल्ली महिला आयोग के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। तब से दिल्ली सरकार के मंत्रियों और अफसरों ने आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आगे लिखा कि पिछले छह महीने से किसी को सैलरी नहीं दी गई है। बजट 28.5 प्रतिशत कम कर दिया है। 181 हेल्पलाइन वापिस ले ली गई है। अध्यक्ष और दो मेम्बर की पोस्ट भरने के लिए कोई कार्य नहीं किया गया है। साथ ही दलित मेम्बर की पोस्ट डेढ़ साल से खाली है। उन्होंने कहा कि मेरे जाते ही हर संभव कोशिश की जा रही है महिला आयोग को फिर से एक कमजोर संस्थान बनाने की। महिलाओं से दिल्ली सरकार क्यों दुश्मनी निकाल रही है। स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल को लिखी चिट्ठी में जवाब मांगा है।

बिल्डर के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

रेजीडेन्सियल वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में फैसला

» मानक व नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण पर नाराज हैं लोग

» संस्था के सदस्यों को बिल्डर कर रहा परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सनब्रीज वन अपार्टमेंट रेजीडेन्सियल वेलफेयर एसोसिएशन (अपंजीकृत 28-11-23) का वार्षिक आम सभा हुई । महावीर जैन ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। सभा में सर्वसम्मति से संस्था 23-24 वित्तीय वर्ष का आडिटेड वार्षिक लेखा जोखा पास हुआ । संस्था के सचिव (डीआर) संदीप पांडेय ने बताया कि सनब्रीज वन अपार्टमेंट में बिल्डर ने काफी काम अपूर्ण छोड़ रखा है।

मानक व नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण किया है। संस्था विधिक लड़ाई लड़ रही है। बैठक में सर्व सहमति से बिल्डर के खिलाफ आगे लड़ाई जारी रखने का फैसला हुआ। संस्था के सदस्यों को बिल्डर द्वारा परेशान और निवासियों से मेनटेस दिसंबर 2025 तक देने के बावजूद बार-बार निवासियों से मेनटेनेस मांगने पर आपत्ति की गयी विरोध प्रस्ताव पास हुआ। सभी ने सर्वसम्मति से बिल्डर खिलाफ लड़ाई जारी रखने का वचन लिया।

विराज कन्स्ट्रक्शन्स के साथ फर्जी आरडब्ल्यूए पर निंदा प्रस्ताव पास

सभा में उपस्थित लोगों ने सोसाइटी के विनय वर्मा/अमित अग्रवाल जैसे 10 निवासियों द्वारा चोरी से 30-11-2023 को फर्जी जीबीएम दिखाते हुये बिल्डर विराज कन्स्ट्रक्शन्स (बीबीडी समूह) के साथ मिलकर आरडब्ल्यूए बनायी जिसके प्रति सभा में सर्व सहमति से उनके इस फ़र्जी और अनैतिक कृत्य के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।यह भी बताया गया कि 231 निवासियों ने एफिडेविट डिप्टी रजिस्ट्रार/कमिशनर लखनऊ के यहां जमा किया है और विनय वर्मा वाली आरडब्ल्यूए के पंजीकरण निरस्त करने का मामल डिप्टी रजिस्ट्रार के यहां 6 महीने से लंबित है।

एमडी मध्यांचल वितरण निगम ने भेजा नोटिस

संस्था के अध्यक्ष श्रीलाल बचन राय ने बताया कि बिल्डर ने बिजली का ढाँचा पूर्ण नहीं किया है और 28-06-24 को एमडी मध्यांचल वितरण निगम ने बिल्डर विराज कन्स्ट्रक्शन्स को नोटिस जारी किया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने बिना एसीटीपी रेन वाटर हारवेसिटंग, अपूर्ण पार्किंग के गलत सीसी जारी कर दिया है। बिल्डर द्वारा जनवरी 2023 में पार्किंग में अवैध 250 केएलडी, 4एमएच का एसटीपी निर्माण के खिलाफ शिकायत के बाद एलडीए ने 3-05-2024 तोड़ने की नोटिस दिया है।

दागी अधिकारी पर कौन है मेहरबान! फिर से दे दिया गया जिम्मेदारी का काम

एक पद पर दो अधिकारी की तैनाती से नगर निगम में असमंजस

मानक को ताक पर रख हुआ मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह का तबादला

» 15 साल बाद गए और एक साल में ही हो गई वापसी

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक साल पहले दागी कर अधिकारी का तबादला एक साल पहले राजधानी लखनऊ से किया गया था पर एक बार उनकी फिर यहां वापसी हो गई है। इस नियुक्ति से एकबार फिर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठ गया है। दरअसंल, करीब 15 साल से लखनऊ में ही जमे नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह का तबादला लखनऊ से अलीगढ़ हुआ था। उस समय भी इस तबादले को रोकने के लिए शासन से लेकर प्रशासन तक बड़े-बड़े अधिकारियों ने सिफारिश की थी।

हालांकि आदेश मंत्री के यहां से आया था और मानक पर वह कहीं से भी अपनी कुर्सी पर बैठने लायक नहीं बचे थे तो तबादला कर दिया। लेकिन अब महज एक साल के अंदर फिर से उनका तबादला लखनऊ कर दिया गया है। बड़ी बात यह है कि उनको जिस पद के लिए लखनऊ लाया गया है वहां पहले से एक अधिकारी मौजूद है। जबकि नगर विकास विभाग की तरफ से जो आदेश जारी हुआ है उसमें कहा गया है कि लखनऊ नगर निगम में रिक्त पड़े मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर उनका तबादला किया गया है। जबकि यहां पहले से उस पर अंबी बिष्ट काम कर रही है। ऐसे में एक ही पद पर दो अधिकारी काम कैसे कर सकते है। मामला यहां भी नहीं रूका है। तबादले के आदेश में कहा गया है कि अशोक सिंह को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर उनकी ज्वाइनिंग कराई जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो इसपर बड़ी कार्रवाई होगी।

4PM ने लगातार प्रकाशित की थीं खबरें

4PM ने लगातार इसको लेकर खबरें भी प्रकाशित की थी कि एक ही पद और कार्यालय में 15 साल से वह कैसे जमे हुए है। नगर निगम में वह जोनल अधिकारी से लेकर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी तक रहे हैं। इन सब बातों को प्रकाशित किया गया था। उसके बाद ही तमाम रसूख के बाद अशोक सिंह का तबादला लखनऊ से हुआ था। लेकिन अब एक साल बाद वह फिर से लखनऊ आ गए है।

उत्तर प्रदेश शासन
नगर विकास अनुभाग-4
संख्या- 1572 /नौ-4-2024
लखनऊः दिनांक-29 जून, 2024

कार्यालय-ज्ञाप

उत्तर प्रदेश पालिका (केन्द्रीकृत) राजस्व सेवा के श्री अशोक सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, नगर निगम, अलीगढ़ को जनहित में तात्कालिक प्रभाव से स्थानान्तरित करते हुए नगर निगम, लखनऊ में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के रिक्त पद पर तैनात किया जाता है।

2- श्री अशोक सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी को अपनी नवीन तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु स्वतः कार्यमुक्त किया जाता है। श्री सिंह कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभार ग्रहण करने की सूचना शासन/निदेशक, नगर निकाय निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ को अविलम्ब उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। आदेशों की अवहेलना अनुशासनहीनता मानी जायेगी, जिसके लिए संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

वर्नेन्द्र प्रताप सिंह
विशेष सचिव

संख्या-1572 (1)/नौ-4-2024 तद्दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-
1. निदेशक, नगर निकाय निदेशालय, उ.प्र., लखनऊ।
2. नगर आयुक्त, नगर निगम, अलीगढ़/लखनऊ।
3. संबंधित मुख्य कर
4. गार्ड फाईल।

गोरखपुर से जुड़े हैं अशोक सिंह के तार

बताया जा रहा है अशोक सिंह गोरखपुर के रहने वाले है। उनकी पढ़ाई भी गोखरपुर विश्वविद्याल से हुई। यहां तक की मठ की तरफ से संचालित हॉस्टल में उनका छात्र जीवन गुजरा है। ऐसे में उनकी पैठ मौजूदा समय सीएम कार्यालय तक है। उसी रसूख का इस्तेमाल कर वह महज एक साल के अंदर लखनऊ आने में सफल हो गए है। जबकि उनका तबादला पिछले साल नगर विकास मंत्री एके शर्मा और प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात के हस्तक्षेप के बाद हुआ था।

सितंबर में रिटायर हो रहीं अंबी बिष्ट

ऐसे में माना जा रहा है कि सितंबर तक अशोक सिंह को मुख्य कर निर्धारण अधिकारी की जिम्मेदारी न दी जाए। सितंबर में अंबी बिष्ट रिटायर हो रही है। उनके रिटायर होने के बाद ही उनको यह पद मिलेगा। लेकिन शासन के निर्देश और मानक के अनुसार 30 जून के बाद रूटीन तबादला नहीं हो सकता था। ऐसे में उन्होंने अपना तबादला रसूख लगाकर अभी ही करा लिया है। क्योंकि 30 जून के बाद अगर तबादला कराना है तो उसके लिए विशेष परिस्थितियों की जरूरत होती है। यहां तक की वह फाइल सीएम कार्यालय जाए बिना तबादला नहीं हो सकता था।

वर्तमान अधिकारी का मुलायम सिंह यादव के परिवार से है नाता

अशोक सिंह और अंबी बिष्ट अब एक ही पद पर है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या अंबी बिष्ट को अशोक सिंह हटा पाएंगे। अंबी बिष्ट भी अपने राजनीतिक रसूख की वजह से जानी जाती है। वह पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की समधन है। उसके अलावा उनकी बेटी अर्पणा यादव की मां है। अर्पणा बीजेपी की बड़ी नेता है। जबकि उनकी एक बेटी के परिवार का भी हस्तक्षेप पार्टी के अंदर बड़ा है। ऐसे में उनका हटना भी मुश्किल लग रहा है।

तत्कालीन नगर आयुक्त अजय द्विवेदी के समय विवादों में आए थे

अशोक सिंह का नाम कई बार विवाद में भी रहा है। मौजूदा समय श्रावस्ती के डीएम और तत्कालीन नगर आयुक्त अजय द्विवेदी के समय नगर निगम में बड़े स्तर पर हाउस टैक्स की गड़बड़ियां सामने आई थी। उस समय भी कर निर्धारण अधिकारी होने के नाते अशोक सिंह का नाम आया था। हालांकि कोई ठोक सबूत नहीं मिल पाया था। लेकिन पूरे नगर निगम में इस बात की चर्चा थी कि सभी जोन में जोनल अधिकारियों की पूरी टीम अशोक सिंह की है। ऐसे में उनको हर तरह के भ्रष्टाचार की जानकारी रहती थी।

प्रचार प्रभारी भी रह चुके हैं

यहां तक की उनके पास प्रचार विभाग का काम भी था। लखनऊ नगर निगम में पिछले एक दशक से प्रचार सेक्शन में बड़े - बड़े मामले निकले हैं। शहर में सैकड़ों लोग बिना कोई टैक्स जमा कराए ही अपनी होर्डिंग लगाते रहे हैं। इसकी जिम्मेदारी प्रचार प्रभारी की होती है लेकिन उस पद पर रहते हुए उन्होंने अपना काम ईमनादारी से नहीं किया था।

आक्रोश प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा में हुई धांधली के खिलाफ विधानसभा का घेराव किया इस दौरान उनकी पुलिस के साथ धक्कामुक्की के बाद गिरफ्तारी भी हुई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।